I.C.S.E

कक्षा : X

हिन्दी

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections ; **Section A** and **Section B.***
*Attempt **All** the questions from **Section A.***
*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics: [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए।

1. 'महँगाई : एक समस्या' इस विषय पर अपने विचार प्रकट करें।
2. कम्प्यूटर तथा मोबाइल मनोरंजन के साथ-साथ हमारी जरूरत का साधन अधिक बन गए हैं। हर क्षेत्र में इनसे मिलने वाले लाभों तथा हानियों का वर्णन करते हुए अपने विचार लिखिए।
3. निरक्षर नागरिक किसी भी देश के लिए अभिशाप होते हैं। इस आधार पर 'निरक्षरता एक अभिशाप' इस विषय पर निबंध लिखिए।
4. अरे मित्र ! "तुमने तो सिद्ध कर दिया कि तुम ही मेरे सच्चे मित्र हो" इस पंक्ति से आरम्भ करते हुए कोई कहानी लिखिए।

5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।

1. नवरात्री महोत्सव के समय देर रात तक ऊँची आवाज में रेकार्ड बजाने के कारण अध्ययन में बाधा पड़ने की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए, होम-इंस्पेक्टर को पत्र लिखिए।
2. अपने क्षेत्र के पोस्टमास्टर को ठीक से डाक वितरण न होने की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए पत्र लिखिए।

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible: [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए:

1950 में पुणे के संघ परिषद् शिक्षा वर्ग में एक दिन विशेष भोजन में जलेबी बनी थी। परम पूजनीय श्री गुरू जी उस दिन स्वयंसेवकों के मार्गदर्शन हेतु वर्ग में उपस्थित थे। भोजन के समय अधिकारियों की पंक्ति में आठ-नौ, स्वंयसेवकों को भोजन परोसने का दायित्व दिया गया। भोजन-मंत्र से पूर्व उन स्वंयसेवकों ने वितरण शुरू करा दिया, लेकिन उनमें से एक स्वंयसेवक, जिसके पास जलेबी की थाली थी, वितरण न करके चुपचाप बैठा रहा। परमपूज्य गुरू जी का ध्यान उसकी ओर गया। भोजन प्रारम्भ होने से पूर्व गुरू जी उसके पास गए और कहा - तुम कैसे बैठे हो? पंक्ति में वितरण करो। उस स्वंयसेवक ने संकोचपूर्वक गुरू जी से कहा- मैं चमार जाति का हूँ, पंक्ति में ऊँची जातियों के स्वयंसेवक भी बैठे हैं, उन्हें मैं कैसे परोस सकता हूँ?
गुरू जी को उस स्वयंसेवक की बात बहुत बुरी लगी। उन्होंने उसका हाथ पकड़कर जलेबी की थाली थमाई, और सर्वप्रथम अपनी थाली में परोसने को कहा, फिर सब स्वयंसेवकों को देने के लिए कहा। गुरू जी के आत्मीय व्यवहार से उसकी प्रसन्नता का पारावार नहीं रहा। उसने पंक्ति में सभी को जलेबी परोसी।

1. भोजन में जलेबियाँ कब और कहाँ बनी थीं और जलेबी बाँटनेवाला शांत क्यों बैठा था? **[2]**
2. गुरू जी का ध्यान किसकी ओर गया? **[2]**
3. गुरू जी ने स्वयंसेवक से क्या कहा? **[2]**
4. गुरू जी को कौन-सी बात बुरी लगी तथा उसकी बात सुनकर उन्होंने क्या किया? **[2]**
5. उपर्युक्त गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिलती है? **[2]**

Q.4 Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित सर्वनाम शब्दों से विशेषण बनाइए : [1]
   - यह
   - कोई

2. निम्नलिखित वाक्यों में भाववाचक संज्ञाओं को रेखांकित कीजिए। [2]

- गाँधीजी अहिंसा के पुजारी थे।
- लड़का दयालू था।

3. निम्नलिखित सरल कथनों के लिए उपयुक्त मुहावरे लिखिए। [2]
   - हल्दी घाटी के युद्ध में अनेक सैनिक मारे गए।
   - विद्यालय में तरण-ताल बनवाने की योजना अभी तक यों ही पड़ी है?

4. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए : [3]
   1. मेरी सहेली मेरी बात अवश्य सुनेगी। (वाक्य में चाहिए शब्द का प्रयोग कर वाक्य दुबारा लिखिए।)
   2. यहाँ नहीं लिखो (वाक्य का शुद्ध रूप लिखो)
   3. उनका प्रयास <u>प्रशंसा के योग्य है</u>। (रेखांकित शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कीजिए)

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

साहित्य सागर

गद्य

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"यह इंसाफ नहीं अँधेर है।सिर्फ़ एक अठन्नी की ही तो बात थी!"

पाठ - बात अठन्नी की

लेखक - सुदर्शन

1. रसीला का मुकदमा किसके सामने पेश हुआ? **[2]**
2. रसीला पर किस आरोप पर किसने मुकदमा दायर किया था? **[2]**
3. रसीला को अपने किस अपराध के लिए कितनी सजा हुई? **[3]**
4. उपर्युक्त उक्ति का क्या कारण था स्पष्ट कीजिए। **[3]**

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

विश्वेश्वर हतबुद्धि होकर वही खड़े हो गए उन्होंने फटी पतंग उठाकर देखी उस चिपके हुए कागज़ पर लिखा हुआ था-काकी।

पाठ - काकी

लेखक - सियारामशरण गुप्त

1. भोला ने श्यामू की योजना में क्या कमी बताई? **[2]**
2. श्यामू को रात भर नींद क्यों नहीं आई? **[2]**
3. श्यामू पतंग पर किससे, क्या लिखवाता है और क्यों? **[3]**
4. विश्वेश्वर हतबुद्धि होकर क्यों खड़े रह गए? **[3]**

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

'पर सब दिन न जात एक समान अकस्मात् दिन फिरे और सेठ जी को गरीबी का मुँह देखना पड़ा।'

पाठ - महायज्ञ का पुरस्कार

लेखक - यशपाल

1. प्रस्तुत पाठ के आधार पर सेठ जी की विशेषताएँ बताइए। **[2]**
2. सेठजी के दुःख का कारण क्या था? **[2]**
3. सेठानी ने सेठ को क्या सलाह और क्यों दी? **[3]**
4. धन्ना सेठ की पत्नी के संबंध में क्या अफ़वाह थी? **[3]**

साहित्य सागर

पद्य

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मार्ग के बाधक पहरेदार
सुना है ऊँचे से सोपान
फिसलते हैं ये दुर्बल पैर
चढ़ा दो मुझको हे भगवान।।
अहा ! वे जगमग-जगमग जगी
ज्योतियाँ दीख रही हैं वहाँ।
शीघ्रता करो वाद्य बज उठे
भला मैं कैसे जाऊँ वहाँ?
सुनाई पड़ता है कल-गान
मिला दूँ मैं भी अपनी तान।
शीघ्रता करो मुझे ले चलो,
मातृ मंदिर में हे भगवान।।

कविता - मातृ मंदिर की ओर
कवि - सुभद्रा कुमारी चौहान

1. मार्ग के बाधक कौन है? **[2]**
2. कवयित्री भगवान से सहायता क्यों माँग रही है? **[2]**
3. 'अहा! वे जगमग-जगमग जगी, ज्योतियाँ दिख रही हैं वहाँ।' - आशय स्पष्ट कीजिए। **[3]**
4. शब्दार्थ लिखिए - सोपान, शीघ्रता, दुर्बल, पहरेदार, मार्ग, बाधक **[3]**

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

गहरि नदी, नाली जहाँ, तहाँ बचावै अंग।।
तहाँ बचावै अंग, झपटि कुत्ता कहँ मारे।

दुश्मन दावागीर होय, तिनहूँ को झारै।।
कह गिरिधर कविराय, सुनो हे दूर के बाठी।
सब हथियार छाँडि, हाथ महँ लीजै लाठी।।

कमरी थोरे दाम की, बहुतै आवै काम।
खासा मलमल वाफ्ता, उनकर राखै मान॥
उनकर राखै मान, बँद जहँ आड़े आवै।
बकुचा बाँधे मोट, राति को झारि बिछावै॥
कह 'गिरिधर कविराय', मिलत है थोरे दमरी।
सब दिन राखै साथ, बड़ी मर्यादा कमरी॥

कविता - गिरिधर की कुंडलियाँ
कवि - गिरिघर कविराय

1. लाठी से क्या-क्या लाभ होते हैं? **[2]**
2. 'बकुचा बाँधे मोट, राति को झारि बिछावै' - पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए। **[2]**
3. कमरी की किन-किन विशेषताओं का उल्लेख किया गया है? **[3]**
4. शब्दार्थ लिखिए - कमरी, बकुचा, मोट, दमरी, नदी, अंग **[3]**

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जब तक मनुज-मनुज का यह सुख भाग नहीं सम होगा,
शमित न होगा कोलाहल, संघर्ष नहीं कम होगा।
उसे भूल वह फँसा परस्पर ही शंका में भय में,
लगा हुआ केवल अपने में और भोग-संचय में।
प्रभु के दिए हुए सुख इतने हैं विकीर्ण धरती पर,
भोग सकें जो उन्हें जगत में कहाँ अभी इतने नर?
सब हो सकते तुष्ट, एक-सा सुख पर सकते हैं;

चाहें तो पल में धरती को स्वर्ग बना सकते हैं,

कविता - स्वर्ग बना सकते हैं

कवि - रामधारी सिंह ‘दिनकर’

1. 'प्रभु के दिए हुए सुख इतने हैं विकीर्ण धरती पर' - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। **[2]**
2. मानव का विकास कभी संभव होगा? **[2]**
3. किस प्रकार पल में धरती को स्वर्ग बना सकते है? **[3]**
4. शब्दार्थ लिखिए - शमित, विकीर्ण, कोलाहल, विघ्न, चैन, पल **[3]**

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

जिस राज्य पर रत्ती भर भी अधिकार नहीं था, उसी को पाने के लिए तुमने युद्ध ठाना, यह स्वार्थ का तांडव नृत्य नहीं तो और क्या है? भला किस न्याय से तुम राज्याधिकार की माँग करते थे?

एकांकी - महाभारत की एक साँझ

लेखक - भारत भूषण अग्रवाल

1. उपर्युक्त अवतरण के वक्ता तथा श्रोता के बारे में बताइए। **[2]**
2. उपर्युक्त अवतरण में किस अधिकार की बात की जा रही है? **[2]**
3. प्रस्तुत एकांकी का उद्देश्य लिखिए। **[3]**
4. महाभारत के युद्ध से हमें कौन-सी सीख मिलती है? **[3]**

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

'तुम कभी रात में अकेले नहीं जाओगे। चारों तरफ़ जह़रीले सर्प घूम रहे हैं। किसी समय भी तुम्हें डस सकते हैं।'

एकांकी - दीपदान

लेखक - डॉ. रामकुमार वर्मा

1. वक्ता कौन है? उसका परिचय दीजिए। [2]
2. श्रोता कौन है? उसका वक्ता से क्या संबंध है? [2]
3. वक्ता के उपर्युक्त कथन कहने के पीछे क्या कारण था? [3]
4. वक्ता श्रोता की सुरक्षा के प्रति चिंतित क्यों रहती थी? [3]

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

अपराध और किसका है। सब मुझी को दोष देते हैं। मिसरानी कह रही थी बहू किसी की भी हो, पर अपने प्राण देकर उसने पति को बचा लिया।

एकांकी - संस्कार भावना

लेखक - विष्णु प्रभाकर

1. यहाँ पर किसके कौन-से अपराध की बात हो रही है? [2]
2. माँ ने अविनाश की बहू को क्यों नहीं अपनाया? समझाकर लिखिए। [2]
3. बहू ने किसे और किस बीमारी से प्राण देकर बचा लिया? [3]
4. बहू किसकी,कौन और किस जाति की थी? [3]

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

मीनू के मुख से अपनी प्रशंसा सुनकर नीलिमा दिल-दिल-में प्रसन्न हो उठी। परंतु उसे मीनू के दिल में छिपी पीड़ा का आभास था।

1. प्रस्तुत अवतरण में नीलिमा और मीनू कौन हैं उनका परिचय दें। [2]
2. मीनू प्रसन्न क्यों थी? [2]
3. कुछ सोचकर मीनू उदास क्यों हो गई? [3]
4. किसे किसकी पीड़ा का अहसास था? [3]

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

पत्र लिखने के बाद पिताजी को लगा की शायद उनसे कोई घोर अपराध हो गया है, उनकी मन:स्थिति विकल हो गई।

1. घर लौटने पर मायाराम का इंतजार कौन कर रहा था? वे मायाराम के पास क्यों आए थे? [2]
2. सरिता के व्यवहार के बारे में माँ की क्या राय थी? [2]
3. मीनू का रिश्ता ठुकराने के लिए क्या योजना बनाई गई? [3]
4. किसकी मन:स्थिति विकल और क्यों हो गई? [3]

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

माँ ने उसे सीने से लगाकर आशीर्वाद दिया, "बेटी, एक देदीप्यमान नक्षत्र बनकर तुम जग को प्रकाशमय कर दो। जीवन की सारी खुशियाँ तुम्हारे पास हों, तुम अपने उद्धेश्य प्राप्ति में सफल हो, यही ईश्वर से मेरी प्रार्थना है।"

1. मीनू के मन में किस प्रकार के भाव उभरते रहते थे? [2]
2. मीनू को वकालत करने की आज्ञा किस तरह मिली? [2]
3. किस कल्पना से मीनू सिहर उठती थी? [3]
4. होस्टल पहुँचने के बाद शुरू में मीनू को कैसा लगा? [3]

Solution

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections ; **Section A** and **Section B.***
*Attempt **All** the questions from **Section A.***
*Attempt any **four** questions from **Section B,** answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)
Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics: [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए।

1. 'महँगाई : एक समस्या' इस विषय पर अपने विचार प्रकट करें।

महँगाई ने आम जनता का जीवन अत्यंत दुष्कर कर दिया है। बढ़ती हुई इस महँगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ कर रख दी है। महँगाई लगातार बढ़ती जा रही है। पेट्रोल, डीजल, एलपीजी गैस, केरोसिन के दाम सरकार ने बढ़ा दिए हैं। इनका परोक्ष प्रभाव तो घरों के बजट पर पड़ ही रहा है, लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से सब्जी, दूध, खाने-पीने की चीजें सभी कुछ का दाम बढ़ चुका है। गृहणियों के लिए घर चलाना मुश्किल हो रहा है।

महँगाई के कारण हम अपने दैनिक उपभोग की वस्तुओं में कटौती करने को विवश होते जा रहे हैं। कुछ वर्ष पूर्व तक जहाँ साग-सब्जियाँ कुछ रूपयों में हो जाती थीं, आज उसके लिए लोगों को सैकड़ों रूपये चुकाने पड़ रहे हैं।

मध्यमवर्ग वैसे ही बेरोज़गारी व गरीबी की समस्याओं से आहत है। घर बड़ा है परन्तु घर की सभी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए आय कम है, जिसके कारण गरीब और गरीब हो रहा है।
महँगाई आज देश की सबसे बड़ी आर्थिक समस्या है। महँगाई की वजह अनेक हैं। बाजार में तेल के दामों में भारी वृद्धि, अंतरराष्ट्रीय मंदी और बारिश की कमी ने महँगाई को बेकाबू कर दिया है।
महँगाई रोकने के लिए व्यापारियों की भंडारण सीमा को कम करना, जमाखोरी रोकने के लिए छापेमारी तेज करना, आयात संबंधी संभावनाओं पर सार्वजनिक रूप से चर्चा करना जरूरी है। महँगाई की तुलना में वेतन नहीं बढ़ने से वेतन और खर्च में सामंजस्य स्थापित नहीं हो पा रहा है। ऐसे में सरकार को हस्तक्षेप करके कीमतों पर नियंत्रण रखने के दूरगामी उपाय करना चाहिए। सरकार को कर चोरी को रोकना होगा। माँग के अनुसार उत्पादन बढ़ाना होगा। सरकार का कार्य है देश और जनता की भलाई के लिए ऐसे कार्य करे जिससे देश और जनता का विकास हो सके।

2. कम्प्यूटर तथा मोबाइल मनोरंजन के साथ-साथ हमारी जरूरत का साधन अधिक बन गए हैं। हर क्षेत्र में इनसे मिलने वाले लाभों तथा हानियों का वर्णन करते हुए अपने विचार लिखिए।
कंप्यूटर तथा मोबाइल आज लोगों के जीवन की प्राथमिक आवश्यकता बन चुका है। कम्प्यूटर कम समय में एक से अधिक कार्य संपन्न कर सकता है। ये कम समय खर्च करते हुए अकेले ही कई इंसानों के बराबर काम करने के योग्यता रखता है। आज मानव की कंप्यूटर तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता बढ़ती जा रही है। कोई भी अपने जीवन की कल्पना बिना कंप्यूटर के नहीं कर सकता, क्योंकि इसने हर जगह अपने पैर पसार लिये है और लोग इसके आदि बन चुके है।
आज इंटरनेट ने दुनिया को जोड़ने का कार्य किया है। लोग मेल के माध्यम से अपने राज्य या देश से अन्य राज्य या देश में स्थिति कार्यालय से संपर्क स्थापित कर सकते हैं। इससे आने जाने में समय नष्ट नहीं होता और कार्य सुचारू रूप से चलता रहता है। आज इंटरनेट पर देश-विदेश की

जानकारी, खेल, मौसम, फ़िल्म, विवाह करवाने, नौकरी करने, टिकट बुकिंग, खरीदारी सब-कुछ बड़ी सहजता से संभव हो जाता है। बैंको, बिल, सूचना संबंधी आवश्यकताओं के लिए लोगों को लंबी कतार में खड़े होने की आवश्यकता नहीं रही है। सब कंप्यूटर के माध्यम से किया जा सकता है। ई कॉमर्स और ई बाजार की दिनानुदिन बढ़ती लोकप्रियता ने सेवा प्रदाताओं और उपभोक्ताओं के बीच की दूरी को मिटा दिया है। ई बैंकिंग ने बैंकिंग सेवाओं को खाताधारकों के द्वार तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाई है। इसका दुरुपयोग भी होता है - वाइरस, अश्लील तस्वीरें भेजना, बैंक में से पैसे निकाल लेना आदि।

अब यदि मोबाइल की बात करें तो इसके कई सारे फायदे मल्टीटास्किंग है कई सारे काम हम इसके जरिए आसानी से कर पाते हैं।

संवाद के लिए सबसे अच्छा साधन है हम कोसों दूर रहने वालों से भी पलक झपकते ही बात कर सकते हैं। जिन से हम मिल नहीं सकते उन्हें भी हम इस सेवा द्वारा आमने-सामने देखकर बातें कर पाते हैं।

ये हमारा ज्ञान बढ़ाने में भी उपयुक्त है इसके जरिए हम घर बैठे भी कई नए विषयों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मोबाइल के फायदे तो हैं ही पर सके साथ कई नुक्सान भी जुड़ें हैं -

आजकल के विद्यार्थी पढ़ने के बजाय घंटों फोन पर लगे रहते हैं। बच्चे दिनभर मोबाइल में या कम्प्यूटर पर अपनी आँखों को गड़ाए रहते जिससे आँखों पर विपरीत प्रभाव पड़ता है कम्प्यूटर और मोबाइल के कारण एक ही जगह पर बैठने से कई बच्चे मोटापे के शिकार होते जा रहे है। खेल-कूद में उनकी अरुचि हो गई है और इसका सीधा असर उनकी सेहत पर पड़ रहा है। मोबाइल और कम्प्यूटर के कारण बच्चे अपना काफी सारा खेलने और पढ़ने का समय खो देते हैं। इससे समय का दुरपयोग होता है।

मोबाइल हमें अपनों से भी दूर करते हैं। परिवारवालों से दूर हो जाते है। एक ही घर मैं सभी अजनबियों सा बर्ताव करने लगते हैं क्योंकि हर कोई मोबाइल से चिपका होता है, इसलिए संवाद की कमी होने लगती है।

कई बात इससे दुर्घटनाएँ भी होती है। गाड़ी चलाते समय लोग वाहन चलाते रहते हैं और दुर्घटनाओं को अंजाम दे देते हैं सड़क पार करते हुए लोग

मोबाइल पर बात करते रहते है जिससे भी कई बार लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो जाते हैं। बच्चे इस से गलत आदत का शिकार भी हो रहे हैं अश्लील सन्देश, वीडियों बच्चों की कोमल भावनाओं को ठेस पहुँचाते हैं। समय की माँग है कि इंटरनेट पर घटित हो रही अवांछित गतिविधियों पर यथाशीघ्र अंकुश लगाया जाय और इसके दुष्प्रयोग को रोकने के लिए कठोर वैधानिक प्रावधान लाए जायें। सबको इंटरनेट के साथ-साथ उसका उचित उपयोग करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। मोबाइल और कम्प्यूटर समय की माँग हैं परन्तु इसके उचित उपयोग से ही हम विज्ञान के इस साधन का फ़ायदा उठा सकते हैं।

3. निरक्षर नागरिक किसी भी देश के लिए अभिशाप होते हैं। इस आधार पर 'निरक्षरता एक अभिशाप' इस विषय पर निबंध लिखिए।

निरक्षरता मानव जीवन में एक अभिशाप है। निरक्षर नागरिक किसी भी देश के लिए अभिशाप होते हैं। अशिक्षित होना एक अभिशाप है, देश के मस्तक पर कलंक है।

निरक्षरता के कारण देशवासियों को घोर संकटों का सामना करना पड़ा है, चाहे वे सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक अथवा वैयक्तिक हों। शिक्षा के अभाव में न हम अपना व्यापार ही बढ़ा सके और न ही औद्योगिक क्षेत्र में अपेक्षित प्रगति कर सके। जमींदारों, सूदखोरों ने निर्धन किसानों का शोषण उनकी निरक्षरता का लाभ उठाकर ही किया। पीढ़ियाँ बीत जाती थीं, किंतु कर्जे से मुक्ति नहीं मिलती थी।

विश्व में साक्षरता के महत्त्व को ध्यान में रखते हुए ही संयुक्त राष्ट्र के शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने 17 नवंबर, 1965 को आठ सितंबर का दिन विश्व साक्षरता दिवस के लिए निर्धारित किया था। 1966 में पहला विश्व साक्षरता दिवस मनाया गया था और तब से हर साल इसे मनाए जाने की परंपरा जारी है। साक्षरता दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य आम जनता को साक्षर होने के लाभों से अवगत कराना है।

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने भारत के लिए निरक्षरता को एक अभिशाप माना और आजादी के 68 साल के बाद भी हम इस अभिशाप से मुक्ति

पाने में पूरी तरह से असफल रहे हैं। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि साक्षरता का अर्थ केवल पढ़ने-लिखने और हिसाब-किताब करने की योग्यता प्राप्त करना ही नहीं है, बल्कि हमें नवसाक्षरों में नैतिक मूल्यों के प्रति आदरभाव रखने की भावना पैदा करनी होगी।

आज विश्व आगे बढ़ता जा रहा है और अगर भारत को भी प्रगति की राह पर कदम से कदम मिलाकर चलना है तो साक्षरता दर में वृद्धि करनी ही होगी। शिक्षा देश के सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक और राजनैतिक उत्थान के लिए बहुत आवश्यक है। शिक्षा से ही मनुष्य अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होता है। मनुष्य शिक्षा के अभाव में दुर्बल, निसहाय, अंधविश्वासी आदि दुर्भावनाओं से ग्रसित हो जाता है।

निरक्षरता के अभिशाप को दूर करने के लिए कोई उम्र या समय की सीमा नहीं होती इसलिए हर व्यक्ति को अपने जीवन में अक्षर ज्ञान प्राप्त कर नया उजाला लाना चाहिए। हम अपने देश का कल्याण करना चाहते हैं, तो प्रत्येक देशवासी का शिक्षित होना आवश्यक है।

4. अरे मित्र ! "तुमने तो सिद्ध कर दिया कि तुम ही मेरे सच्चे मित्र हो" इस पंक्ति से आरम्भ करते हुए कोई कहानी लिखिए।

अरे मित्र ! "तुमने तो सिद्ध कर दिया कि तुम ही मेरे सच्चे मित्र हो।" मैं कितना खुशनसीब हूँ कि मुझे तुम जैसा मित्र प्राप्त हुआ। सच मैं रोहन, तुम न होते तो, मैं आज यह दिन न देख पाता। गणित शुरू से मेरा कमजोर विषय रहा है। इस वजह से हमेशा ही मुझे कक्षा में शिक्षकों और छात्रों के हँसी का पात्र बनना पड़ता था। फिर एक दिन तुमने हमारे विद्यालय में प्रवेश लिया और मेरी जिंदगी बदल गई पहले ही दिन तुम मेरी बगल में बैठे और मेरे अभिन्न मित्र बन गए। मैं सोचता था कि तुम जैसा होनहार मेरी मित्रता क्यों स्वीकार करेगा? पर नहीं तुम न केवल मेरे मित्र बने बल्कि तुमने मुझे अपनी कमजोरियों पर भी विजय प्राप्त करना सिखाया। सच में रोहन तुम्हें जैसे ही पता चला कि मुझे गणित में दिक़्कत तुमने मुझे इस विषय के प्रति मेरे डर भगाने में मेरी सहायता शुरू कर दी। स्कूलके बाद तुम मुझे गणित सिखाते और धीरे-धीरे मेरा आत्मविश्वास

बढ़ता गया और मैं गणित में विशेज्ञता हासिल करता गया। ये तुम्हारी ही मेहनत का ही परिणाम है कि मुझे इस वर्ष गणित में शत-प्रतिशत अंक मिले। इसके पहले मेरे माता-पिता हमेशा तनाव ग्रस्त रहते थे कि मेरा क्या होगा? कैसे मैं बिना गणित के आगे बढ़ूँगा। रोहन तुमने न केवल मेरा बल्कि मेरा माता-पिता का जीवन भी खुशहाल बना दिया। मैं तहे दिल से तुम्हें धन्यवाद देना चाहता हूँ और यह कहना चाहता हूँ कि तुम इसी प्रकार मेरे दोस्त बने रहना।

5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

प्रस्तुत चित्र में हम देख रहे हैं कि दो बच्चे बंजर जमीन पर पानी के मटके लिए चल रहे है। ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे इन्हें पानी की तलाश है और बहुत ही मुश्किल से पानी मिलता।

जब किसी क्षेत्र में लम्बे समय तक (कई महीने या कई वर्ष तक) वर्षा कम होती है या नहीं होती है तो इसे सूखा या अकाल कहा जाता है। सूखे के

कारण प्रभावित क्षेत्र की कृषि एवं वहाँ के पर्यावरण पर अत्यन्त प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था डगमगा जाती है।

जल मनुष्य की बहुत बड़ी आवश्यकता है, इसके बिना हमारे जीवन की कल्पना करना कठिन है। इस लिए हमें जल बचाने के लिए स्वयं विचार करना होगा। सब्जी, बरतन आदि धोने के बाद बाल्टी में जमा उस पानी को पौधों में डाल दें, पोंछा लगा लें, फर्श की धुलाई, कार धोने या टॉयलेट में गिराने के काम ले आएँ। बहते नल को जल्द से जल्द ठीक कराएँ। दाँत आदि साफ करते वक्त जरूरत पड़ने पर ही नल चलाना चाहिए। अपने पालतू जानवरों को गार्डन में नहलाएँ, ताकि पानी घास व पौधों को मिल सके। धरती में गढ़्डे आदि खोदकर उसमें वर्षा का जल जमा करें। इस प्रकार हम जल बचा सकते है।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।

1. नवरात्री महोत्सव के समय देर रात तक ऊँची आवाज में रेकार्ड बजाने के कारण अध्ययन में बाधा पड़ने की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए, होम-इंस्पेक्टर को पत्र लिखिए।

राजनगर
अमरावती - 444 601
दिनाँक :15 सितंबर, 2008
सेवा में,
माननीय होम-इंस्पेक्टर
शहर विभाग
अमरावती - 444 601
विषय : सार्वजनिक नवरात्री महोत्सव में देर रात तक ऊँची आवाज में बजने वाले रेकार्डो की ओर ध्यान आकर्षित करना।
महोदय,

मैं राजनगर का निवासी हूँ। आजकल नवरात्री का महोत्सव चल रहा हैं। स्थान-स्थान पर रेकार्ड बज रहे हैं। इन रेकार्डो की ध्वनि इतनी तेज रहती है कि कानों को सहन नहीं होता। इसके अतिरिक्त आजकल हम विद्यार्थियों की परीक्षाएँ भी चल रही है। रेकार्डो की ध्वनि के कारण पढ़ाई में बाधा पड़ती है।

इसके अतिरिक्त छोटे बच्चों, बीमार एवं बूढ़े व्यक्तियों को भी सोने में बहुत तकलीफ होती है। इसलिए मेरी आपसे प्रार्थना है कि इन्हें रात में निश्चित समय तक और मध्यम ध्वनि में रेकार्ड बजाने की ही अनुमति दी जाए।

मुझे उम्मीद है कि आप शीघ्र ही इस बारे में जरुरी कार्रवाही करेंगे।

कष्ट के लिए क्षमा चाहता हूँ।

भवदीय

उमेश शर्मा

2. अपने क्षेत्र के पोस्टमास्टर को ठीक से डाक वितरण न होने की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए पत्र लिखिए।

अमर कौशिक

मकान नं. 10

नकुलविहार

नई दिल्ली - 110 035

दिनाँक : 18 जुलाई 20XX

सेवा में,

मुख्य डाकपाल

मुख्य डाकघर

कश्मीरी गेट

नई दिल्ली -110 006

माननीय महोदय

विषय : डाक की उचित व्यवस्था के लिए आग्रह।

मैं आपका ध्यान अपने क्षेत्र, नकुल विहार, में डाक-वितरण की अवस्था की ओर दिलाना चाहता हूँ। आपके क्षेत्र में डाक-वितरण की व्यवस्था नितान्त शोचनीय है। कुछ दिनों से हमारी डाक समय पर नहीं मिल रही है। साधारण पत्र दो सप्ताह के बाद प्राप्त होते है। कई बार पता सही और स्पष्ट लिखा होने के बावजूद पत्र गलत जगह पड़े हुए मिले है।

आशा है कि आप शीघ्र उपयुक्त बातों पर ध्यान देकर उचित कार्यवाही करें ताकि डाकिया फिर ऐसी लापरवाही न करे।

सधन्यवाद

भवदीय

अमर कौशिक

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible: [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए:

1950 में पुणे के संघ परिषद् शिक्षा वर्ग में एक दिन विशेष भोजन में जलेबी बनी थी। परम पूजनीय श्री गुरू जी उस दिन स्वयंसेवकों के मार्गदर्शन हेतु वर्ग में उपस्थित थे। भोजन के समय अधिकारियों की पंक्ति में आठ-नौ, स्वंयसेवकों को भोजन परोसने का दायित्व दिया गया। भोजन-मंत्र से पूर्व उन स्वंयसेवकों ने वितरण शुरू करा दिया, लेकिन उनमें से एक स्वंयसेवक, जिसके पास जलेबी की थाली थी, वितरण न करके चुपचाप बैठा रहा। परमपूज्य गुरू जी का ध्यान उसकी ओर गया। भोजन प्रारम्भ होने से पूर्व गुरू जी उसके पास गए और कहा - तुम कैसे बैठे हो? पंक्ति में वितरण करो। उस स्वंयसेवक ने संकोचपूर्वक गुरू जी से कहा- मैं चमार जाति का हूँ, पंक्ति में ऊँची जातियों के स्वयंसेवक भी बैठे हैं, उन्हें मैं कैसे परोस सकता हूँ?

गुरू जी को उस स्वयंसेवक की बात बहुत बुरी लगी। उन्होंने उसका हाथ पकड़कर जलेबी की थाली थमाई, और सर्वप्रथम अपनी थाली में परोसने को

कहा, फिर सब स्वयंसेवकों को देने के लिए कहा। गुरू जी के आत्मीय व्यवहार से उसकी प्रसन्नता का पारावार नहीं रहा। उसने पंक्ति में सभी को जलेबी परोसी।

1. भोजन में जलेबियाँ कब और कहाँ बनी थीं और जलेबी बाँटनेवाला शांत क्यों बैठा था? [2]

   उत्तर : 1950 में पुणे के संघ परिषद् शिक्षा वर्ग में भोजन के लिए विशेष जलेबी बनी थी। बाँटनेवाला इसलिए शांत बैठा था क्योंकि वह चमार जाति का था तथा ऊँची जातियों को परोसने में उसे संकोच हो रहा था।

2. गुरू जी का ध्यान किसकी ओर गया? [2]

   उत्तर : गुरू जी का ध्यान एक ओर चुपचाप जलेबी की थाली लिए बैठे स्वयंसेवक की ओर गया।

3. गुरू जी ने स्वयंसेवक से क्या कहा? [2]

   उत्तर : गुरू जी ने स्वयंसेवक से पहले अपनी थाली में जलेबी परोसवाई तथा फिर सबको जलेबी परोसने के लिए कहा।

4. गुरू जी को कौन-सी बात बुरी लगी तथा उसकी बात सुनकर उन्होंने क्या किया? [2]

   उत्तर : लड़के का यह कहना कि मैं जाति से चमार हूँ, पंक्ति में ऊँची जाति के बैठे स्वयंसेवकों को कैसे परोस सकता हूँ? गुरू जी को बुरा लगा, उसकी बात सुनकर उन्होंने सबसे पहले उससे जलेबी ली फिर दूसरों को परोसने के लिए कहा।

5. उपर्युक्त गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिलती है? [2]

   उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश से यह शिक्षा मिलती है कि कोई जाति से छोटा-बड़ा नहीं होता। हमें आपसी भेदभाव को दूर करने का ही प्रयास करना चाहिए।

Q.4 Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित सर्वनाम शब्दों से विशेषण बनाइए : [1]
   - यह - ऐसा
   - कोई - कोई सा

2. निम्नलिखित वाक्यों में भाववाचक संज्ञाओं को रेखांकित कीजिए। [2]
   - गाँधीजी <u>अहिंसा</u> के पुजारी थे।
   - लड़का <u>दयालू</u> था।

3. निम्नलिखित सरल कथनों के लिए उपयुक्त मुहावरे लिखिए। [2]
   - हल्दी घाटी के युद्ध में अनेक सैनिक मारे गए।

     उत्तर : हल्दी घाटी के युद्ध में अनेक सैनिक <u>वीरगति को प्राप्त हुए</u>।
   - विद्यालय में तरण-ताल बनवाने की योजना अभी तक यों ही पड़ी है?

     उत्तर : विद्यालय में तरण-ताल बनवाने की योजना अभी <u>तक अधर में ही पड़ी है</u>।

4. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए : [3]
   1. मेरी सहेली मेरी बात अवश्य सुनेगी। (वाक्य में चाहिए शब्द का प्रयोग कर वाक्य दुबारा लिखिए।)

      उत्तर : मेरी सहेली को मेरी बात अवश्य सुननी चाहिए।

   2. यहाँ नहीं लिखो (वाक्य का शुद्ध रूप लिखो)

      उत्तर : यहाँ मत लिखो।

   3. उनका प्रयास <u>प्रशंसा के योग्य है</u>। (रेखांकित शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कीजिए)

      उत्तर : उनका प्रयास प्रशंसनीय है।

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

साहित्य सागर

गद्य

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"यह इंसाफ नहीं अँधेर है।सिर्फ़ एक अठन्नी की ही तो बात थी!"

पाठ - बात अठन्नी की

लेखक - सुदर्शन

1. रसीला का मुकदमा किसके सामने पेश हुआ? [2]

   उत्तर : रसीला का मुकदमा इंजीनियर जगत सिंह के पड़ोसी शेख सलीमुद्दीन ज़िला मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश हुआ।

2. रसीला पर किस आरोप पर किसने मुकदमा दायर किया था? [2]

   उत्तर : रसीला वर्षों से इंजीनियर जगत सिंह का नौकर था। उसने कभी कोई बेईमानी नहीं की थी। परंतु इस बार भूलवश अपना अठन्नी का कर्ज चुकाने के लिए उसने अपने मालिक के लिए पाँच रूपए की जगह साढ़े चार रुपए की मिठाई खरीदी और बची अठन्नी रमजान को देकर अपना कर्ज चुका दिया और इसी आरोप में रसीला के ऊपर इंजीनियर जगत सिंह ने मुकदमा दायर कर दिया था।

3. रसीला को अपने किस अपराध के लिए कितनी सजा हुई? [3]

   उत्तर : रसीला ने अपने मालिक के लिए पाँच रुपए के बदले साढ़े चार रूपए की मिठाई खरीदी और बची अठन्नी से अपना कर्ज चुका दिया। यही मामूली अपराध रसीला से हो गया था। इसलिए रसीला

को केवल अठन्नी की चोरी करने के अपराध में छह महीने के कारावास की सजा हुई।

4. उपर्युक्त उक्ति का क्या कारण था स्पष्ट कीजिए। **[3]**

उत्तर : रमजान ज़िला मजिस्ट्रेट शेख सलीमुद्दीन का चौकीदार था और वह रसीला का बहुत ही अच्छा मित्र था। जब ज़िला मजिस्ट्रेट अठन्नी के मामूली अपराध के लिए उसे छह महीने की सजा सुनाते हैं तो रमजान का क्रोध उबल पड़ता है क्योंकि वह जानता था कि फैसला करने वाले शेख साहब और आरोप लगाने वाले जगत बाबू दोनों स्वयं बहुत बड़े रिश्वतखोर अपराधी हैं लेकिन उनका अपराध दबा होने के कारण वे सभ्य कहलाते हैं और एक गरीब को मामूली अपराध के लिए इतनी बड़ी सजा दी जाती है इसी करण रामजान के मुँह से उपर्युक्त उक्ति निकलती है।

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

विश्वेश्वर हतबुद्धि होकर वही खड़े हो गए उन्होंने फटी पतंग उठाकर देखी उस चिपके हुए कागज़ पर लिखा हुआ था-काकी।

पाठ - काकी

लेखक - सियारामशरण गुप्त

1. भोला ने श्यामू की योजना में क्या कमी बताई? **[2]**

उत्तर : भोला श्यामू से अधिक समझदार था। उसे श्यामू का उसकी माँ को लाने का सुझाव पसंद तो आया परंतु भोला ने श्यामू को बताया कि पतंग की डोर पतली होने के कारण टूट सकती है। इस कार्य के लिए उन्हें मोटी रस्सी की आवश्यकता होगी। इस प्रकार भोला ने श्यामू की योजना में डोर के पतले होने की कमी बताई।

2. श्यामू को रात भर नींद क्यों नहीं आई? **[2]**

उत्तर : भोला द्वारा जब उसकी माँ को लाने की योजना में मोटी रस्सी की कमी बताई गई तो उसके सामने अब मोटी रस्सी लाने की कठिनता आ गई क्योंकि रस्सी खरीदने के लिए उसके पास पैसे नहीं थे और घर में भी ऐसा कोई नहीं था जो इस कार्य में उसकी मदद करता और यही सब सोचकर श्यामू को चिंता के मारे रात-भर नींद नहीं आई।

3. श्यामू पतंग पर किससे, क्या लिखवाता है और क्यों? **[3]**

उत्तर : श्यामू लिखना नहीं जानता था इसलिए उसने जवाहर भैया से काकी लिखवाने में मदद माँगी। काकी लिखवाने का श्यामू का यह उद्देश्य था कि यदि चिट पर काकी लिखा होगा तो पतंग सीधे उसकी काकी के पास ही पहुँच जाएगी।

4. विश्वेश्वर हतबुद्धि होकर क्यों खड़े रह गए? **[3]**

उत्तर : विश्वेश्वर अपनी कोट की जेब से एक रूपए की चोरी का पता लगाने जब भोला और श्यामू के पास पहुँचते हैं तो उन्हें भोला से सच्चाई का पता चलता है कि श्यामू ने ही एक रूपए की चोरी की है। इस पर वे बहुत अधिक क्रोधित हो उठते है और क्रोधवश श्यामू को धमकाने और मारने के बाद पतंग फाड़ देते हैं। लेकिन जब उन्हें भोला द्वारा यह पता चलता है कि श्यामू इस पतंग के द्वारा काकी को राम के यहाँ से नीचे लाना चाहता है, सुनकर विश्वेश्वर हतबुद्धि होकर वहीं खड़े रह जाते हैं।

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

'पर सब दिन न जात एक समान अकस्मात् दिन फिरे और सेठ जी को गरीबी का मुँह देखना पड़ा।'

पाठ - महायज्ञ का पुरस्कार
लेखक - यशपाल

1. प्रस्तुत पाठ के आधार पर सेठ जी की विशेषताएँ बताइए। [2]

उत्तर : प्रस्तुत पाठ लेखक यशपाल द्वारा रचित है। प्रस्तुत पाठ में सेठ जी कुछ खास विशेषताओं का उल्लेख किया है। सेठजी बड़े विनम्र और उदार थे। सेठ जी इतने बड़े धर्मपरायण थे कि कोई साधू-संत उनके द्वार से निराश न लौटता, भरपेट भोजन पाता। उनके भंडार का द्वार हमेशा सबके लिए खुला रहता। उन्होंने बहुत से यज्ञ किए और दान में न जाने कितना धन दिन दुखियों में बाँट दिया था। यहाँ तक की गरीब हो जाने के बावजूद भी उन्होंने अपनी उदारता को नहीं छोड़ा और पुन: धन प्राप्ति के बाद भी ईश्वर से सद्बुद्धि ही माँगी।

2. सेठजी के दुःख का कारण क्या था? [2]

उत्तर : सेठ जी के उदार होने के कारण कोई भी उनके द्वार से खाली नहीं जाता था परंतु अकस्मात् सेठ जी के दिन फिरे और सेठ जी को गरीबी का मुँह देखना पड़ा। ऐसे समय में संगी-साथियों ने भी मुँह फेर दिया और यही सेठ जी के दुःख का कारण था।

3. सेठानी ने सेठ को क्या सलाह और क्यों दी? [3]

उत्तर : उन दिनों एक प्रथा प्रचलित थी। यज्ञों के फल का क्रय-विक्रय हुआ करता था। छोटा-बड़ा जैसा यज्ञ होता, उनके अनुसार मूल्य मिल जाता। जब बहुत तंगी हुई तो एक दिन सेठानी ने सेठ को सलाह दी कि क्यों न वे अपना एक यज्ञ बेच डाले। इस प्रकार बहुत अधिक गरीबी आ जाने के कारण सेठानी ने सेठ को अपना यज्ञ बेचने की सलाह दी।

4. धन्ना सेठ की पत्नी के संबंध में क्या अफ़वाह थी? **[3]**

उत्तर : धन्ना सेठ की पत्नी के संबंध में यह अफ़वाह थी कि उसे कोई दैवीय शक्ति प्राप्त है जिससे वह तीनों लोकों की बात जान सकती है।

साहित्य सागर

पद्य

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मार्ग के बाधक पहरेदार
सुना है ऊँचे से सोपान
फिसलते हैं ये दुर्बल पैर
चढ़ा दो मुझको हे भगवान।।
अहा ! वे जगमग-जगमग जगी
ज्योतियाँ दीख रही हैं वहाँ।
शीघ्रता करो वाद्य बज उठे
भला मैं कैसे जाऊँ वहाँ?
सुनाई पड़ता है कल-गान
मिला दूँ मैं भी अपनी तान।
शीघ्रता करो मुझे ले चलो,
मातृ मंदिर में हे भगवान।।

कविता - मातृ मंदिर की ओर
कवि - सुभद्रा कुमारी चौहान

1. मार्ग के बाधक कौन है? **[2]**

उत्तर : मार्ग के बाधक पहरेदार हैं।

2. कवयित्री भगवान से सहायता क्यों माँग रही है? **[2]**

उत्तर : कवयित्री के पैर दुर्बल हैं और वो ऊँची सीढ़ियाँ चढ़ने में असमर्थ से इसलिए वह भगवान से सहायता माँग रही है।

3. 'अहा! वे जगमग-जगमग जगी, ज्योतियाँ दिख रही हैं वहाँ।' - आशय स्पष्ट कीजिए। **[3]**

उत्तर : कवियित्री को माँ के मंदिर में जगमगाते दीपों का ज्योति पुंज दिखाई दे रहा है।

4. शब्दार्थ लिखिए - सोपान, शीघ्रता, दुर्बल, पहरेदार, मार्ग, बाधक **[3]**

- सोपान - सीढ़ियाँ
- शीघ्रता - जल्दी
- दुर्बल - कमजोर
- पहरेदार - प्रहरी
- मार्ग - रास्ता
- बाधक - रूकावट

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

गहरि नदी, नाली जहाँ, तहाँ बचावै अंग।।
तहाँ बचावै अंग, झपटि कुत्ता कहँ मारे।
दुश्मन दावागीर होय, तिनहूँ को झारै।।
कह गिरिधर कविराय, सुनो हे दूर के बाठी।
सब हथियार छाँडि, हाथ महँ लीजै लाठी।।

कमरी थोरे दाम की, बहुतै आवै काम।
खासा मलमल वाफ्ता, उनकर राखै मान॥
उनकर राखै मान, बँद जहँ आड़े आवै।
बकुचा बाँधे मोट, राति को झारि बिछावै॥

कह 'गिरिधर कविराय', मिलत है थोरे दमरी।
सब दिन राखै साथ, बड़ी मर्यादा कमरी॥

कविता - गिरिधर की कुंडलियाँ
कवि - गिरिघर कविराय

1. लाठी से क्या-क्या लाभ होते हैं? **[2]**

उत्तर : लाठी संकट के समय वह हमारी सहायता करती है। गहरी नदी और नाले को पार करते समय मददगार साबित होती है। यदि कोई कुत्ता हमारे ऊपर झपटे तो लाठी से हम अपना बचाव कर सकते हैं। अगर हमें दुश्मन धमकाने की कोशिश करे तो लाठी के द्‌वारा हम अपना बचाव कर सकते हैं। लाठी गहराई मापने के काम आती है।

2. 'बकुचा बाँधे मोट, राति को झारि बिछावै' - पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए। **[2]**

उत्तर : इस पंक्ति का भाव यह है कि कंबल को बाँधकर उसकी छोटी-सी गठरी बनाकर अपने पास रख सकते हैं और ज़रूरत पड़ने पर रात में उसे बिछाकर सो सकते हैं।

3. कमरी की किन-किन विशेषताओं का उल्लेख किया गया है? **[3]**

उत्तर : कंबल (कमरी) बहुत ही सस्ते दामों में मिलता है। यह हमारे ओढ़ने तथा बिछाने के काम आता है। कंबल को बाँधकर उसकी छोटी-सी गठरी बनाकर अपने पास रख सकते हैं और ज़रूरत पड़ने पर रात में उसे बिछाकर सो सकते हैं।

4. शब्दार्थ लिखिए - कमरी, बकुचा, मोट, दमरी, नदी, अंग **[3]**

- कमरी - काला कंबल
- बकुचा - छोटी गठरी
- मोट - गठरी

- दमरी - दाम, मूल्य
- नदी - सरिता
- अंग - शरीर

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जब तक मनुज-मनुज का यह सुख भाग नहीं सम होगा,
शमित न होगा कोलाहल, संघर्ष नहीं कम होगा।
उसे भूल वह फँसा परस्पर ही शंका में भय में,
लगा हुआ केवल अपने में और भोग-संचय में।
प्रभु के दिए हुए सुख इतने हैं विकीर्ण धरती पर,
भोग सकें जो उन्हें जगत में कहाँ अभी इतने नर?
सब हो सकते तुष्ट, एक-सा सुख पर सकते हैं;
चाहें तो पल में धरती को स्वर्ग बना सकते हैं,

कविता - स्वर्ग बना सकते हैं
कवि - रामधारी सिंह 'दिनकर'

1. 'प्रभु के दिए हुए सुख इतने हैं विकीर्ण धरती पर' - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। **[2]**

   उत्तर : प्रस्तुत पंक्ति का आशय यह है कि ईश्वर ने हमारे लिए धरती पर सुख-साधनों का विशाल भंडार दिया हुआ है। सभी मनुष्य इसका उचित उपयोग करें तो यह साधन कभी भी कम नहीं पड़ सकते।

2. मानव का विकास कभी संभव होगा? **[2]**

   उत्तर : मानव के विकास के पथ पर अनेक प्रकार की मुसीबतें उसकी राह रोके खड़ी रहती है तथा विशाल पर्वत भी राह रोके खड़े रहता है।

मनुष्य जब इन सब विपत्तियों को पार कर आगे बढ़ेगा तभी उसका विकास संभव होगा।

3. किस प्रकार पल में धरती को स्वर्ग बना सकते है? **[3]**

उत्तर : ईश्वर ने हमारे लिए धरती पर सुख-साधनों का विशाल भंडार दिया हुआ है। सभी मनुष्य इसका उचित उपयोग करें तो यह साधन कभी भी कम नहीं पड़ सकते। सभी लोग सुखी होंगे। इस प्रकार पल में धरती को स्वर्ग बना सकते है।

4. शब्दार्थ लिखिए - शमित, विकीर्ण, कोलाहल, विघ्न, चैन, पल **[3]**

- शमित - शांत
- विकीर्ण - बिखरे हुए
- कोलाहल -शोर
- विघ्न - रूकावट
- चैन - शांति
- पल - क्षण

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

जिस राज्य पर रत्ती भर भी अधिकार नहीं था, उसी को पाने के लिए तुमने युद्ध ठाना, यह स्वार्थ का तांडव नृत्य नहीं तो और क्या है? भला किस न्याय से तुम राज्याधिकार की माँग करते थे?

एकांकी - महाभारत की एक साँझ

लेखक - भारत भूषण अग्रवाल

1. उपर्युक्त अवतरण के वक्ता तथा श्रोता के बारे में बताइए। **[2]**

उत्तर : उपर्युक्त अवतरण के वक्ता युधिष्ठिर और श्रोता दुर्योधन है। इस समय वक्ता युधिष्ठिर मरणासन्न श्रोता दुर्योधन को शांति प्रदान करने के उद्देश्य से आए हैं। इस समय दोनों के मध्य उचित अनुचित विचारों पर वार्तालाप चल रहा है।

2. उपर्युक्त अवतरण में किस अधिकार की बात की जा रही है? **[2]**

उत्तर : उपर्युक्त अवतरण में राज्य के वास्तविक उत्तराधिकारी के संदर्भ में बात की जा रही है। यहाँ पर युधिष्ठिर का कहना है कि राज्य पर उनका वास्तविक अधिकार था यह जानते हुए भी दुर्योधन यह मानने के लिए कभी तैयार नहीं हुआ और इस कारण परिवार में ईर्ष्या और और झगड़े बढ़कर अंत में महाभारत के युद्ध में तब्दील हो गए।

3. प्रस्तुत एकांकी का उद्देश्य लिखिए। **[3]**

उत्तर : प्रस्तुत एकांकी का उद्देश्य यह है कि आप चाहे कितने भी कूटनीतिज्ञ, बलवान और बुद्धिमान क्यों न हो परंतु यदि आप का रास्ता धर्म का नहीं है तो आपका अंत होना निश्चित है। साथ यह एकांकी मनुष्य को त्याग और सहनशीलता का पाठ भी पढ़ाती है। यही वे दो मुख्य कारण थे जिसके अभाव में महाभारत का युद्ध लड़ा गया। इसके अतिरिक्त इस एकांकी का एक और उद्देश्य यह भी दिखाना था कि इस युद्ध के लिए कौरव और पांडव दोनों ही पक्ष बराबर जिम्मेदार थे।

4. महाभारत के युद्ध से हमें कौन-सी सीख मिलती है? **[3]**

उत्तर : महाभारत का युद्ध तो शुरू से लेकर अंत तक सीखों से ही भरा पड़ा हैं परंतु मुख्य रूप से यह युद्ध हमें यह सीख देता है कि कभी भी पारिवारिक धन-संपत्ति के लिए अपने ही भाईयों से ईर्ष्या और

वैमनस्य नहीं रखना चाहिए क्योंकि इस प्रकार के लड़ाई-झगड़े में जीत कर भी हार ही होती है।

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

'तुम कभी रात में अकेले नहीं जाओगे। चारों तरफ़ ज़हरीले सर्प घूम रहे हैं। किसी समय भी तुम्हें डस सकते हैं।'

एकांकी - दीपदान

लेखक - डॉ. रामकुमार वर्मा

1. वक्ता कौन है? उसका परिचय दीजिए। [2]

   उत्तर : वक्ता पन्ना धाय है। वह स्वर्गीय महाराणा साँगा की स्वामिभक्त सेविका है। वह कर्तव्यनिष्ठ तथा आदर्श भारतीय नारी है। वह हमेशा कुँवर की सुरक्षा का ध्यान रखती है।

2. श्रोता कौन है? उसका वक्ता से क्या संबंध है? [2]

   उत्तर : श्रोता स्वर्गीय महाराणा साँगा का सबसे छोटा पुत्र है। उसकी माँ की मृत्यु के पश्चात से पन्ना धाय जोकि महाराज की सेविका थी उसने उसे माँ की तरह पाला।

3. वक्ता के उपर्युक्त कथन कहने के पीछे क्या कारण था? [3]

   उत्तर : महाराणा साँगा की मृत्यु के बाद उनका पुत्र राज सिंहासन का उत्तराधिकारी था परंतु उनकी आयु मात्र 14 वर्ष होने के कारण महाराणा साँगा के भाई पृथ्वीराज के दासी पुत्र बनवीर को राज्य की देखभाल के लिए नियुक्त किया गया। धीरे-धीरे वह राज्य हड़पने की योजना बनाने लगा। इस वजह से कुँवर उदय सिंह की जान को खतरा बढ़ जाने से पन्ना धाय ने उपर्युक्त कथन कहा।

4. वक्ता श्रोता की सुरक्षा के प्रति चिंतित क्यों रहती थी? [3]

उत्तर : वक्ता पन्ना धाय एक देशभक्त राजपूतनी थी तथा अपने राजा के उत्तराधिकारी की रक्षा करना वह परम कर्तव्य समझती थी। महाराणा साँगा की मृत्यु के बाद उनका पुत्र राज सिंहासन का उत्तराधिकारी था परंतु उनकी आयु मात्र 14 वर्ष होने के कारण महाराणा साँगा के भाई पृथ्वीराज के दासी पुत्र बनवीर को राज्य की देखभाल के लिए नियुक्त किया गया। धीरे-धीरे वह राज्य हड़पने की योजना बनाने लगा। इसलिए पन्ना धाय कुँवर उदय सिंह की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहती थी।

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

अपराध और किसका है। सब मुझी को दोष देते हैं। मिसरानी कह रही थी बहू किसी की भी हो, पर अपने प्राण देकर उसने पति को बचा लिया।

एकांकी - संस्कार भावना

लेखक - विष्णु प्रभाकर

1. यहाँ पर किसके कौन-से अपराध की बात हो रही है? [2]

उत्तर : यहाँ पर अतुल और अविनाश की माँ खुद के रुढ़िवादी विचारों तथा जात-पात के संस्कारों को मानने के अपराध की बात कर रही है।

2. माँ ने अविनाश की बहू को क्यों नहीं अपनाया? समझाकर लिखिए। [2]

उत्तर : माँ एक हिन्दू वृद्धा है। वे हिन्दू समाज की रूढ़िवादी संस्कारों से ग्रस्त हैं। वे संस्कारों की दास हैं। एक मध्यम परिवार में अपने पुराने संस्कारों की रक्षा करना धर्म माना जाता है। माँ भी वहीं करना चाहती थी। उसका बड़ा बेटा अविनाश अपनी माँ की इच्छा के विरुद्ध एक बंगाली लड़की से प्रेम-विवाह कर आया परन्तु माँ

ने अपनी रूढ़िवादी मानसिकता के कारण विजातीय बहू को नहीं अपनाया।

3. बहू ने किसे और किस बीमारी से प्राण देकर बचा लिया? [3]
   उत्तर : बहू ने अपने पति अविनाश को हैजे की बीमारी से प्राण देकर बचा लिया। हैजे की बीमारी को छुआ-छूत की बीमारी माना जाता है।

4. बहू किसकी,कौन और किस जाति की थी? [3]
   उत्तर : बहू अविनाश की पत्नी थी जो की विजातीय (बंगाली) महिला थी। इसी कारण सर्वगुणसंपन्न होते हुए भी केवल विजातीय होने के कारण अविनाश के घरवालों ने उसे नहीं अपनाया। यहाँ तक की संकट के समय अर्थात् जब अविनाश की हैजे से बहुत अधिक तबियत खराब हो गई तो उसने किसी की कोई सहायता नहीं ली और इस संकट का अकेले ही सामना किया।

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

मीनू के मुख से अपनी प्रशंसा सुनकर नीलिमा दिल-दिल-में प्रसन्न हो उठी। परंतु उसे मीनू के दिल में छिपी पीड़ा का आभास था।

1. प्रस्तुत अवतरण में नीलिमा और मीनू कौन हैं उनका परिचय दें। [2]
   उत्तर : प्रस्तुत अवतरण में नीलिमा और मीनू दो सहेलियाँ हैं।

2. मीनू प्रसन्न क्यों थी? [2]
   उत्तर : मीनू प्रसन्न इसलिए थी क्योंकि बहुत कोशिशों के बाद मेरठ में रहने वाले लड़के को उसका फोटो पसंद आ गया था।

3. कुछ सोचकर मीनू उदास क्यों हो गई? [3]

उत्तर : मीनू पहले यह सोचकर प्रसन्न थी की उसकी फोटो को लड़के वालों ने पसंद कर लिया है लेकिन उसे कुछ पुरानी बातें याद आ जाती इससे पहले कई लड़कों ने उसे सांवली बताकर उसका रिश्ता ठुकराया है और यही सब सोचकर वह उदास हो जाती है।

4. किसे किसकी पीड़ा का अहसास था? [3]

उत्तर : नीलिमा को अपनी सहेली मीनू की पीड़ा का अहसास था। नीलिमा यह जानती थी कि उसकी मित्र अपने रंग को लेकर हीन भावना से ग्रसित है। इसलिए जब वह अपनी फोटो पसंद आ जाने की खबर सुनाती है तो बड़ी प्रसन्न रहती है परंतु कुछ ही क्षण में उसकी ख़ुशी उन पुराने ठुकराए रिश्तों को याद कर काफूर भी हो जाती है।और यही बात से नीलिमा बड़ी अच्छी तरह से वाकिफ थी।

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

पत्र लिखने के बाद पिताजी को लगा की शायद उनसे कोई घोर अपराध हो गया है, उनकी मन:स्थिति विकल हो गई।

1. घर लौटने पर मायाराम का इंतजार कौन कर रहा था? वे मायाराम के पास क्यों आए थे? [2]

उत्तर : घर लौटने पर माया राम का इंतजार उनके ही शहर के के एक धनी व्यक्ति कर रहे थे। उनकी बेटी सरिता विवाह योग्य हो गई थी अत: वे मायाराम के पास अपनी बेटी सरिता का रिश्ता लेकर आए थे।

2. सरिता के व्यवहार के बारे में माँ की क्या राय थी? [2]

उत्तर : अमित ने जब अपनी माँ से यह जानना चाहा कि क्या बड़े घर की बेटी उनके घर के वातावरण में मीनू की तरह घुल-मिल पाएँगी तो माँ ने जवाब दिया कि हम किसी के व्यवहार के बारे में तब तक कुछ नहीं बता सकते जब तक हम उनके साथ नहीं रहते। फिर चाहे लड़की छोटे घर की हो या बड़े घर की।

3. मीनू का रिश्ता ठुकराने के लिए क्या योजना बनाई गई? [3]

उत्तर : घर वाले अमित के लिए आए धनी सरिता का रिश्ता ठुकराना नहीं चाहते थे परंतु उनके सामने यह समस्या खड़ी हो गई कि मीनू का रिश्ता किस प्रकार ठुकराया जाय। तभी माताजी को एक युक्ति सूची कि मीनू का रिश्ता यह कहकर ठुकराया जाय कि मीनू की अपेक्षा उन्हें उनकी छोटो बेटी आशा पसंद है। यदि वे शादी करना चाहते ही हैं तो आशा के साथ अमित की शादी करवाँ दें। अब यह तो सबको पता है कि बड़ी बेटी के होते कोई अपनी छोटी बेटी का विवाह पहले नहीं करेगा और अत: बिना ना कहे भी यह रिश्ता न होगा।

4. किसकी मन:स्थिति विकल और क्यों हो गई? [3]

उत्तर : अमित के पिता की मन:स्थिति विकल हो गई क्योंकि वे भी स्वयं एक बेटी के पिता थे और यह समझते थे कि बेटी का रिश्ता ठुकराया जाना क्या होता है। इसलिए मीनू के पिता को पत्र रिश्ता ठुकराने का पत्र भेजने के बाद उनकी मन:स्थिति विकल हो गई।

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

माँ ने उसे सीने से लगाकर आशीर्वाद दिया, “बेटी, एक देदीप्यमान नक्षत्र

बनकर तुम जग को प्रकाशमय कर दो। जीवन की सारी खुशियाँ तुम्हारे पास हों, तुम अपने उद्धेश्य प्राप्ति में सफल हो, यही ईश्वर से मेरी प्रार्थना है।"

1. मीनू के मन में किस प्रकार के भाव उभरते रहते थे? [2]

   उत्तर : मीनू अपनी जीवन की परिस्थितियों से विवश होकर कई बार वह हीन भावना से ग्रसित हो जाती थी उसे ऐसा आभास होने लगता था कि उसका जीवन व्यर्थ है जल्द की वह अपनी भावनाओं पर काबू भी पा लेती थी कि उस जैसी होनहार युवती के लिए इस तरह की भावना उचित नहीं है।

2. मीनू को वकालत करने की आज्ञा किस तरह मिली? [2]

   उत्तर : बचपन से मीनू की इच्छा वकील बनने की थी परंतु मीनू के माता-पिता उसे हॉस्टल नहीं भेजना चाहते थे। पर मीनू की वकील बनने के प्रति लगन ने उन्हें आज्ञा देने के लिए मजबूर कर दिया।

3. किस कल्पना से मीनू सिहर उठती थी? [3]

   उत्तर : मीनू पहली बार आपने माता-पिता से अलग हो रही थी अभी तक हमेशा अपने भाई-बहन के साथ मिलकर पढ़ाई करते हुए बड़ी हुई थी अचानक उन सबसे दूर हो जाने की कल्पना से ही मीनू सिहर उठती थी।

4. होस्टल पहुँचने के बाद शुरू में मीनू को कैसा लगा? [3]

   उत्तर : होस्टल में पहुँचने के बाद कई दिनों तक मीनू का दिल बिल्कुल भी नहीं लगा। उसे कुछ नया और अजीब सा प्रतीत होता रहता था। शुरू में वहाँ उसकी अधिक सहेली भी नहीं बन पाई थी। वह अपना अधिकतर समय पुस्तकों के साथ ही बिताती थी।